

**GOVERNMENT OF INDIA  
MINISTRY OF HOME AFFAIRS**

**LOK SABHA  
UNSTARRED QUESTION NO. 2697**

**TO BE ANSWERED ON THE 1<sup>ST</sup> AUGUST, 2017/ SHRAVANA 10, 1939 (SAKA)**

**PROMOTION OF HINDI LANGUAGE**

**2697. PROF. PREM SINGH CHANDUMAJRA:**

**Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:**

**(a) whether the Government has taken any comprehensive steps to promote Hindi language in the country and if so, the details thereof; and**

**(b) the steps taken/being taken by the Government to popularise Hindi language in the country?**

**ANSWER**

**MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
(SHRI KIREN RIJIJU)**

**(a): Yes, Madam. Government of India has taken various comprehensive steps for the promotion and development of Hindi through its various subordinate organisations/ institutions i.e. Central Hindi Directorate and Commission for Scientific and Technical Terminology and Kendriya Hindi Sansthan, (an autonomous body under the Ministry of Human Resource Development).**

**Kendriya Hindi Sansthan focuses on Teaching in Hindi at multi-levels, research on linguistic and literature, teaching Hindi to teachers, courses designing and conducting examinations at various levels. It also has certificate/diploma courses for foreign students. Every year about 200 foreign students take admission in these courses.**

**Central Hindi Directorate has been implementing various schemes for promotion of Hindi like Publication and Free Distribution of Hindi Books, preparation of dictionaries, Standardization of Devanagari Script and Hindi Spelling, Financial assistance to Voluntary Organizations for promotion of Hindi, Hindi Correspondence Courses, Awards to Hindi Writers of Non-Hindi Speaking areas, Awards in Education (Shiksha Puraskar) etc.**

**(b): Commission for Scientific and Technical Terminology's functions include to evolve and define scientific and technical terms in Hindi and all Indian Languages and publish glossaries, definitional dictionaries, encyclopaedia and to see that these works reach the students, teachers, scholars scientists, officers etc., also to ensure uniformity of terminology in Hindi and other languages (through State Governments/Granth academies/University cells/Glossary clubs etc.).**

**In addition, Central Institute of Indian Languages, Mysore has a scheme "Bharatavani", under which all knowledge texts of all languages including Hindi are digitized and uploaded on the Bharatavani Portal.**

\*\*\*\*\*

भारत सरकार

गृह मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2697

दिनांक 01.08.2017/10 श्रावण, 1939 (शक) को उत्तर के लिए

हिंदी भाषा को प्रोत्साहन

†2697. प्रो. प्रेम सिंह चन्दूमाजरा:

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने देश में हिंदी भाषा को प्रोत्साहित करने के लिए कोई व्यापक कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ख) सरकार द्वारा देश में हिंदी भाषा को लोकप्रिय बनाने हेतु क्या कदम उठाए गए/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री किरन रिजिजू)

(क): जी, हां । भारत सरकार ने अपने विभिन्न अधीनस्थ संगठनों/संस्थाओं यथा केंद्रीय हिंदी निदेशालय और वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग तथा केंद्रीय हिंदी संस्थान (मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्तशासी निकाय) के माध्यम से हिंदी के संवर्धन और विकास के लिए विभिन्न व्यापक कदम उठाए हैं ।

केंद्रीय हिंदी संस्थान बहु स्तरों पर हिंदी में शिक्षण, भाषा विज्ञान एवं साहित्य पर शोध, शिक्षकों को हिंदी सिखाने, विभिन्न स्तरों पर पाठ्यक्रम तैयार करने और परीक्षाओं का आयोजन करने पर ध्यान केंद्रित करता है । यह संस्थान में विदेशी छात्रों के लिए प्रमाण-पत्र/ डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी संचालित करता है। प्रत्येक वर्ष इन पाठ्यक्रमों में लगभग 200 विदेशी छात्र दाखिला लेते हैं ।

(ख): केंद्रीय हिंदी निदेशालय, हिंदी के प्रोत्साहन के लिए विभिन्न योजनाएं चला रहा है जैसे हिंदी पुस्तकों का प्रकाशन और निःशुल्क वितरण, शब्दकोश तैयार करना, देवनागरी लिपि एवं हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, हिंदी के संवर्धन के लिए स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करना, हिंदी पत्राचार पाठ्यक्रम, हिंदीतर भाषी क्षेत्रों के हिंदी लेखकों के लिए पुरस्कार, शिक्षा (शिक्षा पुरस्कार) के लिए पुरस्कार इत्यादि ।

विज्ञान एवं तकनीकी शब्दावली आयोग के कार्यों में हिंदी और सभी भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दों को विकसित एवं परिभाषित करना तथा शब्दावली, पारिभाषिक शब्दावली, विश्वकोश प्रकाशित करना तथा यह देखना कि इन कार्यों का लाभ विद्यार्थियों, अध्यापकों, शोध वैज्ञानिकों, अधिकारियों इत्यादि को मिले और हिंदी एवं अन्य भाषाओं (राज्य सरकारों/ग्रंथ अकादमियों/विश्वविद्यालय प्रकोष्ठों/शब्दावली क्लबों इत्यादि) में शब्दावली की एकरूपता को सुनिश्चित करना शामिल है ।

इसके अतिरिक्त, केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर की 'भारतवाणी' नामक एक योजना है जिसके अंतर्गत हिंदी सहित सभी भाषाओं का समस्त ज्ञान पाठ डिजिटलीकृत कर भारतवाणी पोर्टल पर अपलोड किया जाता है ।